राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर. (म.प्र.)

नवीन पाठ्यक्रम

(सत्र 2026–27 से लागू)

दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिग्री M.P.A (नाट्य एवं रंगमंच)

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.क.वि.ग्वा. (म.प्र.)

डॉ. हिमांशु द्विवेदी
विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय
ग्वालियर, (म.प्र.)

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय,
ग्वालियर (म.प्र.)
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
नवीन पाठ्यक्रम
(सत्र 2026–27 से लागू)

M.P.A

PG (स्नातकोत्तर)

1st Year (1st & 2nd Semester)

2nd Year (3rd & 4th Semester)

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.क.वि.ग्वा. (म.प्र.)

डॉ. हिमांशु द्विवेदी
विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय
ग्वालियर (म.प्र.)

M.P.A

PG (स्नातकोत्तर)

1st Semester

2nd Semester

3rd Semester

4th Semester

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.क.वि.ग्वा. (म.प्र.)

डॉ. हिमांशु द्विवेदी
विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय
ग्वालियर (म.प्र.)

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)

Master of performing Art (M.P.A. 1st Year) M.P.A. 1st Semester (Monsoon Semester)

Drama & Theatre (Regular)

Total Teaching period 15 weeks = 90 days (Total credit 15x20 = 300)

Paper S.N.	Subject/Paper	Subject Code	Credits	Weekly Teaching Duration/Hours	Total Teaching Duration/Hours	Mid Term/CCE & attendance marking		End Term Marking		Total Marks	Minimum Passing Marks
Section "A" Core-1 Drama & Theatre											
1.	Traditional Indian Theatre (History & Lit) (TH - 1)	C1-TH-2101	6	6	90	30	11	70	25	100	36
2.	Modern Indian Theatre (History & Lit) (TH - 2)	C1-TH-2102	6	6	90	30	11	70	25	100	36
Core-2 Technical Terms Practical											
3.	Domonstration & Viva (PR - 1)	C2-PR-2103	4	8	120	30	11	70	25	100	36
4.	Stage Performance (Play Production/scene work) (PR - 2)	C2-PR -2104	4	8	120	30	11	70	25	100	36
5.	Lecture Demonstration Traditional & Modern (PR - 3)	C2-PR -2105	4	8	120	30	11	70	25	100	36
	Total Credits & Teaching Duration		24	36	540	Total				500	

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.क.वि.वि. ग्वा. (म.प्र.)

TH – 1

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

MPA (Drama & Theatre) स्नातकोत्तर (नियमित)
प्रथम वर्ष मानसून सेमेस्टर (प्रथम सेमेस्टर)
(F.F.M.P.A) सत्र शिक्षण अवधि : 15 सप्ताह = 90 दिन
कोर सब्जेक्ट मुख्य विषय 1
नाट्य एवं रंगमंच थ्योरी कोर
नाट्य एवं रंगमंच – प्रथम प्रश्न पत्र

पारंपरिक भारतीय रंगमंच (इतिहास एवं साहित्य) का अध्ययन C1-TH-2101
Indian Traditional theatre Study (History & Literature) C1-TH-2101
पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1

1. लोक रंगमंच का उत्पत्ति विकास, विशेषताऐं एवं शैलियों की अवधारणा का अध्ययन।
2. लोक और फोक (FOLK) में अंतर, लोक रंगमंच और संस्कृत रंगमंच का पारस्परिक संबंध।

इकाई – 2

1. मध्यप्रदेश के लोक रंगमंच का विशेष अध्ययन। (स्वाँग, माच, छाहुर, गम्मत)
2. उत्तर प्रदेश (नौटंकी, रामलीला, रासलीला, भगत), बिहार (बिदेसिया, लौंडा नाच), महाराष्ट्र (तमाशा, दशावतार), हरियाणा (सांग), पश्चिम बंगाल (जात्रा, छाऊ), गुजरात (भवाई), राजस्थान (ख्याल), कश्मीर (भांड पाथेर/भांड जशन), पंजाब (नक़ल) आदि लोक रंगमंच का अध्ययन।

इकाई – 3

1. दक्षिण भारत के लोक रंगमंच का अध्ययन। (कुड़ियटट्म, यक्षगान, थैय्यम)
2. उत्तर पूर्वी राज्य : असम का (संकीर्तन), मणिपुर, (लाइहरोबा), उड़ीसा के (पाला, दशकथियम) आदि लोक नाट्य शैलियों का अध्ययन।

इकाई – 4

1. जापान (नोह, काबुकी, बुनराकू), श्रीलंका (कैंडी डांस), इंडोनेशिया (पपेट थिएटर, वायन वांग), चीन (पीकिंग ओपेरा)
2. भारतीय एवं एशियन लोक रंगमंच का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई – 5

1. भारतीय लोक और आधुनिक रंगमंच के संबंधों का तुलनात्मक अध्ययन
2. लोक नाटकों के प्रस्तुतियों की समीक्षा।
3. कठपुतली रंगमंच (भारतीय लोक नाट्यों के संदर्भ में)

इंटरनल/आंतरिक पाठ्यक्रम विवरण

1. उपस्थिति
2. चरित्र व्यवहार
3. व्यक्तित्व
4. सहभागिता
5. पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट प्रश्नोत्तर

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.क.वि.वि.ग्वा. (म.प्र.)

TH – 2

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

MPA (Drama & Theatre) स्नातकोत्तर (नियमित)
प्रथम वर्ष मानसून सेमेस्टर (प्रथम सेमेस्टर)
(F.F.M.P.A) सत्र शिक्षण अवधि : 15 सप्ताह = 90 दिन
कोर सब्जेक्ट मुख्य विषय 1
नाट्य एवं रंगमंच थ्योरी कोर
नाट्य एवं रंगमंच – द्वितीय प्रश्न पत्र

आधुनिक भारतीय रंगमंच (इतिहास एवं साहित्य) C1-TH-2102

Modern Indian Drama & Theatre (History & Literature) C1-TH-2102

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1

1. आधुनिक हिन्दी नाटक का प्रारंभ एवं विकास का अध्ययन।
2. भारतेन्दु एवं प्रसाद युगीन हिन्दी रंगमंच का अध्ययन एवं विश्लेषण तथा स्वतंत्रता पश्चात हिन्दी रंगमंच के विकास का अध्ययन।

इकाई – 2

1. बांग्ला रंगमंच का इतिहास एवं भारतीय रंगमंच में उसका योगदान। (आधुनिक भारतीय रंगमंच के संदर्भ में)
2. मराठी रंगमंच का इतिहास एवं भारतीय रंगमंच में उसका योगदान। (आधुनिक भारतीय रंगमंच के संदर्भ में)

इकाई – 3

1. भारतीय रंगमंच में पारसी थियेटर का योगदान प्रमुख नाटककार, मण्डलियां एवं निर्देशक।
2. आधुनिक क्षेत्रीय रंगमंच के विकास का अध्ययन कर्नाटक, केरल, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, पंजाब, असम (मोबाईल थियेटर), मणिपुर के विशेष परिपेक्ष्य में।

इकाई – 4

1. भारतीय आधुनिक रंगमंच में प्रमुख रंग आंदोलन की भूमिका एवं योगदान तथा प्रमुख नाट्य प्रशिक्षण संस्थाओं के योगदान का अध्ययन। (एन.एस.डी., एस.एन.ए., नया थियेटर, कौरस रैपट्री, नीनासम, रंग विदूषक, भारत भवन, मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, बी.एन.ए. एवं नाट्य विभाग (वि.वि))
2. भारतीय समकालीन रंगमंच एवं उसकी विभिन्न धाराऐं जैसे – नुक्कड़ रंगमंच, दलित रंगमंच, स्त्री विमर्श पर आधारित रंगमंच का अध्ययन।

इकाई – 5

1. प्रमुख भारतीय आधुनिक नाटकों का अध्ययन एवं विश्लेषण–अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा, स्कंदगुप्त, ध्रुवस्वामिनी, आधे अधूरे, आषाढ़ का एक दिन, अंधा युग, हानूश, कबीरा खड़ा बाजार में, घासीराम कोतवाल, खामोश अदालत जारी है, बेगम बर्वे, महानिर्वाण, विरासत, होली, हयवदन, तुगलक, एवम् इन्द्रजीत, सारी रात, चरनदास चोर, आगरा बाजार, तांबे के कीड़े एवं उध्वस्त धर्मशाला।
2. प्रमुख भारतीय निर्देशकों एवं अभिनेता के रंगमंच का अध्ययन जैसे–पृथ्वीराज कपूर, हबीब तनवीर, इब्राहिम अल्काजी, एम.के. रैना, के.एन. पणिक्कर, रतन थियाम, ब.व.कारंत, देवेन्द्रराज अंकुर, बंसी कौल, अनुराधा कपूर, अनामिका हक्सर, एच. कन्हाईलाल, उषा गांगुली, बाल गंधर्भ, श्रीराम लागू, मोहन महर्षी, त्रिपुरारी शर्मा, अलखनंदन एवं शंभू मित्र।

इंटरनल/आंतरिक पाठ्यक्रम विवरण

1. उपस्थिति
2. चरित्र व्यंवहार
3. व्यक्तित्व
4. सहभागिता
5. पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट प्रश्नोत्तर

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.क.वि.वि.ग्वा. (म.प्र.)

नोट – समस्त विद्यार्थियों को वायवा एवं परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम के उक्त समस्त नाटकों का पठन एवं उन पर आधारित निर्मित चलचित्रों का अवलोकन एवं विश्लेषण करना अनिवार्य है।

PR – 1

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

MPA (Drama & Theatre) स्नातकोत्तर (नियमित)
प्रथम वर्ष मानसून सेमेस्टर (प्रथम सेमेस्टर)
(F.F.M.P.A) सत्र शिक्षण अवधि : 15 सप्ताह = 90 दिन
कोर सब्जेक्ट मुख्य विषय 2
नाट्य एवं रंगमंच प्रायोगिक कोर
नाट्य एवं रंगमंच – प्रायोगिक प्रश्न पत्र

प्रायोगिक–1
प्रदर्शन एवं मौखिक C2-PR-2103
पाठ्यक्रम विवरण

1. योग / कलरीपयट्टू / छाऊ नृत्य एवं अन्य शारिरिक गति संचालन विधायें।
2. स्वर एवं सम्भाषण।
3. अभिनय एवं आशु अभिनय।
4. रंग संगीत (Theatre Music)।
5. मुखौटा निर्माण एवं मंच सामग्री निर्माण।
6. साक्षात्कार।
7. शैक्षणिक भ्रमण (प्रादेशिक)।

इंटरनल / आंतरिक पाठ्यक्रम विवरण

1. उपस्थिति
2. चरित्र व्यवहार
3. व्यक्तित्व
4. सहभागिता
5. पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट प्रश्नोत्तर

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.वि.वि.ग्वा. (म.प्र.)

PR – 2

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

MPA (Drama & Theatre) स्नातकोत्तर (नियमित)
प्रथम वर्ष मानसून सेमेस्टर (प्रथम सेमेस्टर)
(F.F.M.P.A) सत्र शिक्षण अवधि : 15 सप्ताह = 90 दिन
कोर सब्जेक्ट मुख्य विषय 2
नाट्य एवं रंगमंच प्रायोगिक कोर 2
नाट्य एवं रंगमंच – प्रायोगिक प्रश्न पत्र

प्रायोगिक–2
प्रदर्शन एवं मौखिक C2-PR-2104
पाठ्यक्रम विवरण

सीन वर्क/प्ले प्रोडक्शन (मंच प्रदर्शन)

1. परीक्षार्थी द्वारा कक्षा शिक्षक अथवा बाह्य निर्देशक के मार्गदर्शन में पाठ्यक्रम के किसी एक लोक नाटक का चयन कर उसके किसी एक दृश्य का प्रदर्शन किया जायेगा।

अथवा

2. परीक्षार्थी द्वारा कक्षा शिक्षक अथवा बाह्य निर्देशक के मार्गदर्शन में पाठ्यक्रम अनुसार तैयार की गई नाट्य प्रस्तुति का प्रदर्शन।

इंटरनल/आंतरिक पाठ्यक्रम विवरण

1. उपस्थिति
2. चरित्र व्यवहार
3. व्यक्तित्व
4. सहभागिता
5. पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट प्रश्नोत्तर

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.वि.वि.ग्वा. (म.प्र.)

PR – 3

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

MPA (Drama & Theatre) स्नातकोत्तर (नियमित)
प्रथम वर्ष मानसून सेमेस्टर (प्रथम सेमेस्टर)
(F.F.M.P.A) सत्र शिक्षण अवधि : 15 सप्ताह = 90 दिन
कोर सब्जेक्ट मुख्य विषय 1
नाट्य एवं रंगमंच प्रायोगिक कोर
नाट्य एवं रंगमंच – प्रायोगिक प्रश्न पत्र

प्रायोगिक–3
लैक्चर डेमॉन्सट्रेशन C2-PR-2105
पाठ्यक्रम विवरण

यह प्रायोगिक लेक्चर, डेमॉन्सट्रेशन के रूप में होगा जिसमे विद्यार्थी लोक/पारंपरिक रंगमंच अथवा आधुनिक रंगमंच पर लेक्चर के साथ अपनी कला का प्रदर्शन भी करेगा यह प्रदर्शन पी.पी.टी. (ओडियो अथवा विजुअल प्रजेन्टेशन) के साथ भी किया जावेगा। जिससे विद्यार्थी का कौशल विकास और भविष्य में शोध आदि के कार्य करने में यह प्रश्न पत्र वैज्ञानिक एवं सहायक सिद्ध होगा। प्रदर्शनात्मक व्याख्यान/परियोजना कार्य की तैयारी के लिये संबंधित साहित्य का अध्ययन करके संदर्भ ग्रंथ के साथ नोट्स बनाना होगा। जिसकी एक प्रति अपने विभागाध्यक्ष/निदेशक के पास जमा करना अनिवार्य होगा।

इंटरनल/आंतरिक पाठ्यक्रम विवरण

1. उपस्थिति
2. चरित्र व्यवहार
3. व्यक्तित्व
4. सहभागिता
5. पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट प्रश्नोत्तर

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.क.वि.वि.ग्वा. (म.प्र.)

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)

Master of performing Art (M.P.A. 1st Year) M.P.A. 2nd Semester (Winter Semester)

Drama & Theatre (Regular)

Total Teaching period 15 weeks = 90 days (Total credit 15x20 = 300)

Paper S.N.	Subject/Paper	Subject Code	Credits	Weekly Teaching Duration/Hours	Total Teaching Duration/Hours	Mid Term/CCE & attendance marking		End Term Marking		Total Marks	Minimum Passing Marks
Section "A" Core-1 Drama & Theatre											
1.	Classical Indian Theatre (History & Lit) (TH - 1)	C1-TH-2101	6	6	90	30	11	70	25	100	36
2.	World Drama (History & Lit) (TH - 2)	C1-TH-2102	6	6	90	30	11	70	25	100	36
Section "B" Core-2 Technical Terms Practical											
3.	Domonstration & Viva (PR - 1)	C2-PR-2103	4	8	120	30	11	70	25	100	36
4.	Stage Performance (Play Production/scene work) (PR - 2)	C2-PR-2104	4	8	120	30	11	70	25	100	36
5.	Lecture Demonstration Applied Theatre (PR - 3)	C2-PR-2105	4	8	120	30	11	70	25	100	36
	Total Credits & Teaching Duration		24	36	540	Total				500	

विभागाध्यक्ष
वाद्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.क.वि.वि.ग्वा. (म.प्र.)

TH – 1

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

MPA (Drama & Theatre) स्नातकोत्तर (नियमित)
प्रथम वर्ष शीतकालीन सेमेस्टर (द्वितीय सेमेस्टर)
(F.F.M.P.A) सत्र शिक्षण अवधि : 15 सप्ताह = 90 दिन
कोर सब्जेक्ट मुख्य विषय 1
नाट्य एवं रंगमंच थ्योरी कोर
नाट्य एवं रंगमंच – प्रथम प्रश्न पत्र

भारतीय शास्त्रीय रंगमंच (इतिहास एवं साहित्य) C2-TH-2101
Indian Classical Drama (History & Literature) C2-TH-2101
पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1

1. नाटक की उत्पत्ति का भारतीय दृष्टिकोण।
2. नाट्यशास्त्र की परंपरा और उसका अध्ययन तथा नाटक के 11 अंगों का अध्ययन लोकधर्मी एवं नाट्यधर्मी के विशेष परिप्रेक्ष्य में।

इकाई – 2

1. अभिनय की परिभाषा एवं उसके प्रकार नायक, नायिका भेद तथा अवस्था भेद का अध्ययन।
2. प्रेक्षागृह एवं उसके प्रकारों का अध्ययन।

इकाई – 3

1. रस एवं रससूत्र की व्याख्या तथा भट्टलोलट, श्री शंकुक, भट्टनायक तथा अभिनवगुप्त की व्याख्या का अध्ययन।
2. दशरूपक एवं अभिनय दर्पण का समग्र अध्ययन।

इकाई – 4

1. नाट्यशास्त्र का अन्य शास्त्रों से संबंध।
2. नाट्यशास्त्र तथा संस्कृत साहित्य।

इकाई – 5

1. **प्रमुख संस्कृत नाटकों एवं नाटककारों का अध्ययन एवं विश्लेषण**
   1.1 स्वप्नवासवदत्तम, अभिज्ञानशाकुंतलम्, मृच्छकटिकम, उत्तर–रामचरितम्, मुद्राराक्षस, वेणीसंहार, भगवदअज्जुकम्
   1.2 भास, कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त, भवभूति, बोधायन, श्री हर्ष, भट्टनारायण।
2. संस्कृत नाटकों में आधुनिक रंगमंच तथा समसामयिकता की खोज का अध्ययन।

इंटरनल/आंतरिक पाठ्यक्रमं विवरण

1. उपस्थिति
2. चरित्र व्यवहार
3. व्यक्तित्व
4. सहभागिता
5. पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट प्रश्नोत्तर

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.वि.वि.ग्वा. (म.प्र.)

नोट – समस्त विद्यार्थियों को वायवा एवं परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम के उक्त समस्त नाटकों का पठन एवं उन पर आधारित निर्मित चलचित्रों का अवलोकन एवं विश्लेषण करना अनिवार्य है।

TH – 2

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

MPA (Drama & Theatre) स्नातकोत्तर (नियमित)
प्रथम वर्ष शीतकालीन सेमेस्टर (द्वितीय सेमेस्टर)
(F.F.M.P.A) सत्र शिक्षण अवधि : 15 सप्ताह = 90 दिन
कोर सब्जेक्ट मुख्य विषय 1
नाट्य एवं रंगमंच थ्योरी कोर
नाट्य एवं रंगमंच – द्वितीय प्रश्न पत्र

विश्व रंगमंच (इतिहास एवं साहित्य) C2-TH-2102
World Drama (History & Literature) C2-TH-2102
पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1
1. रंगमंच की उत्पत्ति की पाश्चात्य अवधारणा।
2. काव्य शास्त्र एवं अरस्तू द्वारा निष्पादित विरेचन के सिद्धांत का अध्ययन।

इकाई – 2
1. ग्रीक रंगमंच एवं रोमन रंगमंच का अध्ययन।
2. धार्मिक रंगमंच एवं मध्यकालीन रंगमंच का अध्ययन।

इकाई – 3
1. एलिजाबेथन थियेटर का अध्ययन, शेक्सपीयर एवं समकालीन नाटककारों का अध्ययन।
2. पुनर्जागरण काल और रंगमंच का अध्ययन।

इकाई – 4
1. आधुनिक पाश्चात्य रंगमंच का अध्ययन– यथार्थवादी रंगमंच, ड्यूक, स्तानिस्लावस्की, ऐलिया कजान, रेनहार्ट।
2. यथार्थवादी रंगमंच, ब्रेख्त मेयरहोल्ड, ग्रोटोवस्की, आर्तोद, पीटर ब्रुक, रिचर्ड शेखनर, आगस्तो बोआल।

इकाई – 5
1. निम्नलिखित नाटककारों के नाटकों का पाठ व विश्लेषण।
   सोफोक्लीज (इडिपस), यूरिपिडीस (ट्रोजन वुमेन), इस्किलस (एग्मेमानॉन), मौलियर (तारतूफ कंजूस), इब्सन (डोल्स हाऊस), चेखव (थ्री सिस्टर्स, चैरी ऑर्चड), आर्थरमिलर (डेथ ऑफ अ सेल्समेन, ऑल माइ सन्स), बर्नाड शॉ (पिग्मेलियन), सैमुअल बेकेट (वेटिंग फॉर गोडो), ब्रेख्त (मदर करेज, कॉकेशियन चॉक सर्कल), लुईगी पिरान्देलो (नाटक की खोज में छः चरित्र), शेक्सपियर औथेलो (हिन्दी फिल्म ओमकारा), मैकबेथ (हिन्दी फिल्म मक़बूल), एलिजाबेथन, क्रिस्टोफर मार्लो, (डॉ. फॉस्टस), टेनीसी विलियमस (द स्ट्रीट कार नेमड डिजायर)
2. उपरोक्त नाटकों में से जिन पर आधारित चलचित्रों का निर्माण हुआ है। उनका अध्ययन अवलोकन एवं विश्लेषण।

इंटरनल/आंतरिक पाठ्यक्रम विवरण
1. उपस्थिति
2. चरित्र व्यवहार
3. व्यक्तित्व
4. सहभागिता
5. पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट प्रश्नोत्तर

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.क.वि.ग्वा. (म.प्र.)

नोट – समस्त विद्यार्थियों को वायवा एवं परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम के उक्त समस्त नाटकों का पठन एवं उन पर आधारित निर्मित चलचित्रों का अवलोकन एवं विश्लेषण करना अनिवार्य है।

ा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

MPA (Drama & Theatre) स्नातकोत्तर (नियमित)
प्रथम वर्ष शीतकालीन सेमेस्टर (द्वितीय सेमेस्टर)
(F.F.M.P.A) सत्र शिक्षण अवधि : 15 सप्ताह = 90 दिन
कोर सब्जेक्ट मुख्य विषय 2
नाट्य एवं रंगमंच प्रायोगिक कोर
नाट्य एवं रंगमंच – प्रायोगिक प्रश्न पत्र

प्रायोगिक–1
प्रदर्शन एवं मौखिक C2-PR-2103
पाठ्यक्रम विवरण

1. स्वर एवं सम्भाषण (रंग संगीत)।
2. अभिनय एवं आशु अभिनय।
3. निर्देशन।
4. कथकली / यक्षगान / कुड़ियाट्टम एवं अन्य शास्त्रीय विधाएं।
5. वेशभूषा निर्माण (परिकल्पना) एवं रूपसज्जा।
6. साक्षात्कार।

इंटरनल / आंतरिक पाठ्यक्रम विवरण

1. उपस्थिति
2. चरित्र व्यवहार
3. व्यक्तित्व
4. सहभागिता
5. पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट प्रश्नोत्तर

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.क.वि.ग्वा. (म.प्र.)

PR – 2

ा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

MPA (Drama & Theatre) स्नातकोत्तर (नियमित)
प्रथम वर्ष शीतकालीन सेमेस्टर (द्वितीय सेमेस्टर)
(F.F.M.P.A) सत्र शिक्षण अवधि : 15 सप्ताह = 90 दिन
कोर सब्जेक्ट मुख्य विषय 2
नाट्य एवं रंगमंच प्रायोगिक कोर
नाट्य एवं रंगमंच – प्रायोगिक प्रश्न पत्र

प्रायोगिक–2
प्रदर्शन एवं मौखिक C2-PR-2104
पाठ्यक्रम विवरण

सीन वर्क / प्ले प्रोडक्शन (मंच प्रदर्शन)

1. परीक्षार्थी द्वारा कक्षा शिक्षक अथवा बाह्य निर्देशक के मार्गदर्शन में पाठ्यक्रम के किसी एक संस्कृत नाटक का चयन कर उसके किसी एक दृश्य का प्रदर्शन किया जायेगा।

अथवा

2. परीक्षार्थी द्वारा कक्षा शिक्षक अथवा बाह्य निर्देशक के मार्गदर्शक में तैयार की गई नाट्य प्रस्तुति का प्रदर्शन।

इंटरनल / आंतरिक पाठ्यक्रम विवरण

1. उपस्थिति
2. चरित्र व्यवहार
3. व्यक्तित्व
4. सहभागिता
5. पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट प्रश्नोत्तर

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.क.वि.वि.ग्वा. (म.प्र.)

PR – 3

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

MPA (Drama & Theatre) स्नातकोत्तर (नियमित)
प्रथम वर्ष शीतकालीन सेमेस्टर (द्वितीय सेमेस्टर)
(F.F.M.P.A) सत्र शिक्षण अवधि : 15 सप्ताह = 90 दिन
कोर सब्जेक्ट मुख्य विषय 2
नाट्य एवं रंगमंच प्रायोगिक कोर
नाट्य एवं रंगमंच – प्रायोगिक प्रश्न पत्र

प्रायोगिक–3
लैक्चर डेमॉन्सट्रेशन (एप्लाइड थियेटर) C2-PR-2105
पाठ्यक्रम विवरण

यह पाठ्यक्रम अनुप्रयुक्त रंगमंच की प्रमुख अवधारणाओं, इतिहास और कार्य प्रणालियों का परिचय देता है कि ऐसा रंगमंच जो समुदायों, सामाजिक मुद्दों और वास्तविक जीवन के संदर्भों के साथ जुड़ता है। अनुभवात्मक शिक्षण के माध्यम से छात्र यह समझेंगे कि रंगमंच शिक्षा, सशक्तिकरण, सामाजिक परिवर्तन और सामुदायिक सहभागिता का उपकरण कैसे बन सकता है।

पाठ्यक्रम में निम्नलिखित घटक शामिल होंगे:

- ❖ अनुप्रयुक्त रंगमंच का परिचयः परिभाषाएँ, प्रमुख अवधारणाएँ एवं संपूर्ण परिदृश्य
- ❖ इतिहास और विकासः सामुदायिक रंगमंच, उग्र रंगमंच, सक्रियतावाद
- ❖ प्रमुख रंगकर्मी और उनका कार्यः ऑगस्टो बोआल, ब्रेख्त, आतोद, थियेटर फॉर डेवलपमेंट
- ❖ Theatre of the oppressed: ऑगस्टो बोआल की तकनीकें, वैश्विक केस स्टडी
- ❖ इमेज थिएटर / फोरम थिएटर की मूल बातें
- ❖ नैतिकता एवं संचालनः शक्ति–संबंध, प्रतिनिधित्व, सहमति
- ❖ सामाजिक परिवर्तन हेतु रंगमंचः स्वास्थ्य, पर्यावरण, अधिकार आधारित हस्तक्षेप
- ❖ Verbatim Theatre: साक्षात्कार, वास्तविक सामग्री, वर्बेटिम थिएटर प्रदर्शन निर्माण
- ❖ सामुदायिक सांस्कृतिक विकासः हाशिये के समूहों के साथ काम
- ❖ प्रोजेक्ट डिज़ाइनः योजना, लॉजिस्टिक्स, हितधारक सहयोग, प्रस्ताव बनाना
- ❖ अंतिम प्रस्तुति और वाइवा

इंटरनल/आंतरिक पाठ्यक्रम विवरण

1. उपस्थिति
2. चरित्र व्यवहार
3. व्यक्तित्व
4. सहभागिता
5. पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट प्रश्नोत्तर

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.क.वि.ग्वा. (म.प्र.)

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)

Master of performing Art (M.P.A. 2nd Year) M.P.A. 3rd Semester (Monsoon Semester)

Drama & Theatre (Regular)

Total Teaching period 15 weeks = 90 days (Total credit 15x20 = 300)

Paper S.N.	Subject/Paper	Subject Code	Credits	Weekly Teaching Duration/Hours	Total Teaching Duration/Hours	Mid Term/CCE & attendance marking		End Term Marking		Total Marks	Minimum Passing Marks
Section "A" Core-1 Drama & Theatre											
1.	Acting Theory (TH - 1)	C1-TH-2101	6	6	90	30	11	70	25	100	36
2.	Theatre Criticism & Apprication (TH - 2)	C1-TH-2102	6	6	90	30	11	70	25	100	36
Core-2 Technical Terms Practical											
3.	Domonstration & Viva (PR - 1)	C2-PR-2103	4	8	120	30	11	70	25	100	36
4.	Stage Performance (Play Production/scene work) (PR - 2)	C2-PR-2104	4	8	120	30	11	70	25	100	36
5.	Lecture Demonstration Children Theatre/Theatre in education (PR - 3)	C2-PR-2105	4	8	120	30	11	70	25	100	36
Total Credits & Teaching Duration			24	36	540	Total				500	

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.वि.वि.ग्वा. (म.प्र.)

TH – 1

ा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

MPA (Drama & Theatre) स्नातकोत्तर (नियमित)
द्वितीय वर्ष मानसून सेमेस्टर (तृतीय सेमेस्टर)
(F.F.M.P.A) सत्र शिक्षण अवधि : 15 सप्ताह = 90 दिन
कोर सब्जेक्ट मुख्य विषय 1
नाट्य एवं रंगमंच थ्योरी कोर
नाट्य एवं रंगमंच – प्रथम प्रश्न पत्र

अभिनय सिद्धांत C2-TH-2101
पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1

1. भरत के अभिनय सिद्धांत की अवधारणा।
2. स्तानिस्लावस्की के अभिनय सिद्धांत का अध्ययन।

इकाई – 2

1. ऐबसर्ड थियेटर एवं फिजिकल थियेटर की अवधारणा का अध्ययन।
2. पुअर थियेटर एवं थियेटर ऑफ क्रूअलिटी का अध्ययन।

इकाई – 3

1. बादल सरकार के थर्ड थियेटर का अध्ययन, पीटर ब्रुक एवं रिचर्ड शेखनर का सिद्धांत।
2. नुक्कड रंगमंच की अवधारणा एवं उसके योगदान का अध्ययन।

इकाई – 4

1. मेयरहोल्ड के जीवयांत्रिकी (बायोमेकेनिज्म) का विश्लेषणात्मक अध्ययन।
2. समकालीन रंगमंच में हो रहे प्रयोगों का अध्ययन।

इकाई – 5

1. भरत तथा स्तानिस्लावस्की का तुलनात्मक अध्ययन।
2. भरत तथा ब्रेख्त के रंगमंच का तुलनात्मक अध्ययन।

इंटरनल/आंतरिक पाठ्यक्रम विवरण

1. उपस्थिति
2. चरित्र व्यवहार
3. व्यक्तित्व
4. सहभागिता
5. पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट प्रश्नोत्तर

विभागाध्यक्ष
वादन एवं नाट्य संकाय
रा.मा.तो.सं.क.वि.वि.ग्वा. (म.प्र.)

TH – 2

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

MPA (Drama & Theatre) स्नातकोत्तर (नियमित)
द्वितीय वर्ष मानसून सेमेस्टर (तृतीय सेमेस्टर)
(F.F.M.P.A) सत्र शिक्षण अवधि : 15 सप्ताह = 90 दिन
कोर सब्जेक्ट मुख्य विषय 1
नाट्य एवं रंगमंच थ्योरी कोर
नाट्य एवं रंगमंच – द्वितीय प्रश्न पत्र

रंगमंच की समालोचन C2-TH-2102
थियेटर क्रिटिसिज़्म एण्ड ऐप्रिसियेशन
पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1
1. नाट्य विश्लेषण की अवधारणा एवं उसका महत्व।
2. रंगमंच दृष्टिकोण से नाटक का अध्ययन।

इकाई – 2
1. अच्छे नाटक की विशेषताऐं एवं उसका प्रभाव।
2. नाट्य समीक्षा के सिद्धांत।

इकाई – 3
1. वाद क्या है ? वाद की उत्पत्ति एवं विकास क्रम एवं रंगमंच पर उसका प्रभाव।
2. नाट्य प्रस्तुति के सिद्धांतो का अध्ययन।

इकाई – 4
1. रंगमंच को प्रोत्साहित करने के लिये दर्शकों एवं रंगमंच का अंर्तसंबंध।
2. अन्य कलारूपों से रंगमंच के अंर्तसंबंध का अध्ययन एवं थियेटर सेंसरशिप (अधिनियम कानून)

इकाई – 5
1. किसी प्रतिष्ठित भारतीय नाटक की समीक्षा, प्रस्तुति के दृष्टिकोण से।
2. किसी प्रतिष्ठित पश्चिमी नाटक की समीक्षा, प्रस्तुति के दृष्टिकोण से।

इंटरनल/आंतरिक पाठ्यक्रम विवरण
1. उपस्थिति
2. चरित्र व्यवहार
3. व्यक्तित्व
4. सहभागिता
5. पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट प्रश्नोत्तर

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.वि.ग्वा. (म.प्र.)

PR – 1

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

MPA (Drama & Theatre) स्नातकोत्तर (नियमित)
द्वितीय वर्ष मानसून सेमेस्टर (तृतीय सेमेस्टर)
(F.F.M.P.A) सत्र शिक्षण अवधि : 15 सप्ताह = 90 दिन
कोर सब्जेक्ट मुख्य विषय 2
नाट्य एवं रंगमंच प्रायोगिक कोर
नाट्य एवं रंगमंच – प्रायोगिक प्रश्न पत्र

प्रायोगिक – 1
प्रदर्शन एवं मौखिक C2-PR-2103
पाठ्यक्रम विवरण

1. मार्शल आर्ट / सालसा / देहगति।
2. अभिनय एवं आशु अभिनय।
3. प्रकाश एवं मंच परिकल्पना तथा परियोजना कार्य। (प्रोजेक्ट वर्क)
4. शैक्षणिक भ्रमण (राष्ट्रीय स्तर)

इंटरनल / आंतरिक पाठ्यक्रम विवरण

1. उपस्थिति
2. चरित्र व्यवहार
3. व्यक्तित्व
4. सहभागिता
5. पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट प्रश्नोत्तर

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.वि.वि.ग्वा. (म.प्र.)

PR – 2

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

MPA (Drama & Theatre) स्नातकोत्तर (नियमित)
द्वितीय वर्ष मानसून सेमेस्टर (तृतीय सेमेस्टर)
(F.F.M.P.A) सत्र शिक्षण अवधि : 15 सप्ताह = 90 दिन
कोर सब्जेक्ट मुख्य विषय 2
नाट्य एवं रंगमंच प्रायोगिक कोर
नाट्य एवं रंगमंच – प्रायोगिक प्रश्न पत्र

प्रायोगिक–2
प्रदर्शन एवं मौखिक C2-PR-2104
पाठ्यक्रम विवरण

सीन वर्क / प्ले प्रोडक्शन (मंच प्रदर्शन)

1. परीक्षार्थी द्वारा कक्षा शिक्षक अथवा बाह्य निर्देशक के मार्गदर्शन में यर्थाथवादी अभिनय शैली पर आधारित एक दृश्य का प्रदर्शन किया जायेगा।

अथवा

2. परीक्षार्थी द्वारा कक्षा शिक्षक अथवा बाह्य निर्देशक के मार्गदर्शन में तैयार नाट्य प्रस्तुति का प्रदर्शन।

अथवा

3. सभी विद्यार्थी पाठ्यक्रम से सम्बंधित एक–एक सोलो प्रस्तुति तैयार करेंगे जिसकी अवधि कम से कम 20–25 मिनिट होगी।

इंटरनल / आंतरिक पाठ्यक्रम विवरण

1. उपस्थिति
2. चरित्र व्यवहार
3. व्यक्तित्व
4. सहभागिता
5. पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट प्रश्नोत्तर

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.क.वि.वि.ग्वा. (म.प्र.)

PR – 3

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

MPA (Drama & Theatre) स्नातकोत्तर (नियमित)
द्वितीय वर्ष मानसून सेमेस्टर (तृतीय सेमेस्टर)
(F.F.M.P.A) सत्र शिक्षण अवधि : 15 सप्ताह = 90 दिन
कोर सब्जेक्ट मुख्य विषय 2
नाट्य एवं रंगमंच प्रायोगिक कोर
नाट्य एवं रंगमंच – प्रायोगिक प्रश्न पत्र

प्रायोगिक–3
लैक्चर डेमॉन्सट्रेशन (थियेटर इन एजुकेशन) C2-PR-2105
पाठ्यक्रम विवरण

शिक्षा में रंगमंच

- ❖ शिक्षा में रंगमंच की उपयोगिता, महत्व, उत्पत्ति एवं भारतीय संदर्भ में शिक्षा में रंगमंच का अध्ययन ।
- ❖ बाल मनोविज्ञान का अध्ययन।
- ❖ प्रमुख विचारक डोरोथी हीथकोर, गैविन बोल्टन, बोल्फगैग, कोलनेडर, वोलकर लोडनिंग, बैरी जॉन, मोहन आगाशे एवं श्री रंग गॉडबोले की कार्य प्रक्रिया का अध्ययन।
- ❖ विद्यालय में शिक्षकों के साथ रंगकर्मियों की कार्य प्रक्रिया।
- ❖ राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की रंग संस्कार टोली का इतिहास एवं बाल रंगमंच में भूमिका और योगदान।
- ❖ विद्यालयों को स्थानीय स्तर पर आयोजित नाटक गतिविधियों में अवलोकन हेतु भागीदारी एवं चर्चा प्रायोगिक पक्ष।
- ❖ व्यक्तित्व विकास में रंगमंच की भूमिका।
- ❖ बाल प्रतिभाओं की कल्पनाशीलता, एकाग्रता और निरीक्षक क्षमता का विकास आत्मविश्वास में वृद्धि, सामूहिक रूप से सृजन कार्य करने की सकारात्मक भावना, के विकास हेतु विविध अभ्यास।
- ❖ पाठ पुस्तकों में लिखित कहानियां व कविताओं पर आधारित प्रस्तुति निर्माण। परिवार, समाज, देश, वसुधैव कुटुंबकम, पर्यावरण , और श्रेष्ठ नागरिक कर्तव्यों से संबंधित विषयों पर इंप्रोवाइजेशन के माध्यम से कहानी लेखन, प्रस्तुति निर्माण कर एवं उनका प्रदर्शन करना।
- ❖ विविध स्कूलों में जाकर प्रशिक्षण देना एवं प्रोजेक्ट तैयार करना।

इंटरनल/आंतरिक पाठ्यक्रम विवरण

1. उपस्थिति
2. चरित्र व्यवहार
3. व्यक्तित्व
4. सहभागिता
5. पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट प्रश्नोत्तर

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.क.वि.वि.ग्वा. (म.प्र.)

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)

Master of performing Art (M.P.A. 2nd Year) M.P.A. 4th Semester (Winter Semester)

Drama & Theatre (Regular)

Total Teaching period 15 weeks = 90 days (Total credit 15x20 = 300)

Paper S.N.	Subject/Paper	Subject Code	Credits	Weekly Teaching Duration/Hours	Total Teaching Duration/Hours	Mid Term/CCE & attendance marking		End Term Marking		Total Marks	Minimum Passing Marks
Section "A" Core-1 Drama & Theatre											
1.	Film & Theatre Aesthetic (TH - 1)	C1-TH-2101	6	6	90	30	11	70	25	100	36
Core-2 Technical Terms Practical											
2.	Dissertation (PR - 1) लघुशोध प्रबंध	C2-PR-2102	4	8	120	30	11	70	25	100	36
3.	Domonstration & Viva (PR - 2)	C2-PR-2103	4	8	120	30	11	70	25	100	36
4.	Stage Performance (Play Production/scene work) (PR - 3)	C2-PR-2104	4	8	120	30	11	70	25	100	36
5.	Lecture Demonstration Theatre Management (PR - 4)	C2-PR-2105	4	8	120	30	11	70	25	100	36
	Total Credits & Teaching Duration		22	38	570	Total				500	

TH – 1

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

MPA (Drama & Theatre) स्नातकोत्तर (नियमित)
द्वितीय वर्ष शीतकालीन सेमेस्टर (चतुर्थ सेमेस्टर)
(F.F.M.P.A) सत्र शिक्षण अवधि : 15 सप्ताह = 90 दिन
कोर सब्जेक्ट मुख्य विषय 1
नाट्य एवं रंगमंच थ्योरी कोर
नाट्य एवं रंगमंच – प्रथम प्रश्न पत्र

फिल्म और रंगमंच का सौन्दर्य शास्त्र C2-TH-2101
पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1

1. सौन्दर्य शास्त्र का अध्ययन।
2. कलाओं में सौन्दर्य का प्रभाव।

इकाई – 2

1. भारतीय सिनेमा का इतिहास एवं उसका विकास।
2. पाश्चात्य सिनेमा का इतिहास एवं उसका विकास।

इकाई – 3

1. रंगमंच एवं सिनेमा का तुलनात्मक अध्ययन तथा फिल्म अभिनय और रंगमंच के अभिनय में अंतर एवं समानता
2. रंगमंच, दूरदर्शन, सैटेलाइट, टी.वी. एवं धारावाहिकों से समाज पर पड़ रहे प्रभावों का अध्ययन तथा फिल्म तकनीक और मंच तकनीक में अन्तर तथा समानता।

इकाई – 4

1. फिल्म एवं कला पर बाज़ारवाद का प्रभाव। AI का रंगमंच एवं चलचित्रों (Film) में उपयोग एवं प्रभाव।
2. रंगमंच एवं समग्र कलाओं पर वैश्वीकरण का प्रभाव तथा किसी प्रतिष्ठित भारतीय फिल्म की समीक्षा।

इकाई – 5

1. ऑस्कर पुरस्कृत तथा भारतीय, राष्ट्रीय पुरस्कृत प्रमुख फिल्मों का दृश्यांकन, अवलोकन तथा विश्लेषण। (The Ten Commandments 1956, Bicycle Thieves 1948, The Last Emperor 1987, The 400 Blows 1959, Seven Samurai 1954, Cry The Beloved Country 1995, The God Father All, Schinder's List 1993, Titanic 1997, Little Women 2019, Brave Heart 1995, Scarface 1983, Gladiator 2000. The Entity 1982, Ship of theseus 2014), West side Story, गाँधी, श्यामची आई 1954, मिर्ज़ा ग़ालिब 1955, पाथेर पांचाली 1956, काबुलीवाला 1957, दो आँखें बारह हाथ 1958, अपुर संसार 1960, चारूलता 1965, तीसरी क़सम 1967, भुवनशोमे 1970, मृज्ञा 1977, घटश्राद्ध 1978, आदिशंकराचार्य 1984, बागबहादुर 1990, भगवद्गीता 1993, समर 2000, द्वीपा 2003, लगान, श्वास 2005, आगंतुक 1992, 12th Fail 2025 आदि।
2. प्रमुख भारतीय फिल्मकारों (निर्देशकों) का अध्ययन एवं फिल्म समीक्षा तथा एशियन फिल्मों का अध्ययन।

इंटरनल/आंतरिक पाठ्यक्रम विवरण

1. उपस्थिति
2. चरित्र व्यवहार
3. व्यक्तित्व
4. सहभागिता
5. पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट प्रश्नोत्तर

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.क.वि.वि. ग्वा. (म.प्र.)

PR – 1

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

MPA (Drama & Theatre) स्नातकोत्तर (नियमित)
द्वितीय वर्ष शीतकालीन सेमेस्टर (चतुर्थ सेमेस्टर)
(F.F.M.P.A) सत्र शिक्षण अवधि : 15 सप्ताह = 90 दिन
कोर सब्जेक्ट मुख्य विषय 1
नाट्य एवं रंगमंच प्रायोगिक कोर
नाट्य एवं रंगमंच – प्रायोगिक प्रश्न पत्र

प्रायोगिक–1
लघु शोधप्रबंध (अनिवार्य) C2-PR-2102
पाठ्यक्रम विवरण

विद्यार्थी अपने शिक्षक के साथ चर्चा कर विषय का चुनाव करेगा व उनके मार्गदर्शन में एम.पी.ए. इन थियेटर के अंतिम वर्ष में अनिवार्य वर्ष में अनिवार्य रूप से रंगमंच के पाठ्यक्रम पर आधारित लघुशोध प्रबंध प्रस्तुत करेगा। जिसे मूल्यांकन हेतु बाहय विशेषज्ञ के पास भेजा जावेगा, जिसका मौखिकी भी आवश्यक रूप से किया जायेगा।

नोट : लघुशोध प्रबंध, रिसर्च पेपर एवं सिनोप्सिस पर विभाग का स्वतंत्र अधिकार होगी, (Copy Right) सर्वाधिकार धारा के तहत छात्र द्वारा बिना विभागीय अनुमति के किसी अन्य जगह प्रकाशित करना या उपयोग करते गैर कानूनी होगा, उक्त प्रबंध पर विश्वविद्यालय का स्वतंत्र अधिकार होगा।

इंटरनल/आंतरिक पाठ्यक्रम विवरण

1. उपस्थिति
2. चरित्र व्यवहार
3. व्यक्तित्व
4. सहभागिता
5. पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट प्रश्नोत्तर

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.क.वि.ग्वा. (म.प्र.)

PR – 2

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

MPA (Drama & Theatre) स्नातकोत्तर (नियमित)
द्वितीय वर्ष शीतकालीन सेमेस्टर (चतुर्थ सेमेस्टर)
(F.F.M.P.A) सत्र शिक्षण अवधि : 15 सप्ताह = 90 दिन
कोर सब्जेक्ट मुख्य विषय 2
नाट्य एवं रंगमंच प्रायोगिक कोर
नाट्य एवं रंगमंच – प्रायोगिक प्रश्न पत्र

प्रायोगिक–2
प्रदर्शन एवं मौखिक (लघु फिल्म निर्माण)/Short Film Making C2-PR-2103
पाठ्यक्रम विवरण

1. पटकथा लेखन।
2. कैमरे के सामने अभिनय करना
3. साउण्ड एण्ड म्यूजिक, ध्वनि एवं संगीत (Background Music & songs)
4. सम्पादन
5. शॉर्ट फिल्म मेकिंग – परीक्षार्थी कक्षा शिक्षक के मार्गदर्शन में लघु फिल्म का निर्माण करेगा।
6. वायवा (फिल्म एप्रीशियेशन प्रोजेक्ट)

नोट : विद्यार्थी द्वारा प्रोडक्शन विभाग में उपलब्ध संसाधनों से ही कार्यपूर्ण किया जायेगा, इसके लिए अलग से कोई बजट स्वीकृत नहीं होगा।

इंटरनल/आंतरिक पाठ्यक्रम विवरण

1. उपस्थिति
2. चरित्र व्यवहार
3. व्यक्तित्व
4. सहभागिता
5. पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट प्रश्नोत्तर

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.क.वि.वि.ग्वा. (म.प्र.)

नोट : छात्र द्वारा निर्मित फिल्म पर विभाग का स्वतंत्र अधिकार होगा (Copy right) सर्वाधिकार के तहत छात्र बिना विभागीय अनुमति के किसी अन्य जगह इलेक्ट्रानिक एवं प्रिंट मीडिया, चैनल या किसी भी अन्य माध्यम पर उपयोग नहीं करेगा। उक्त निर्मित फिल्म पर विभाग का स्वतंत्र अधिकार (Copy right) होगा।

PR – 3

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

MPA (Drama & Theatre) स्नातकोत्तर (नियमित)
द्वितीय वर्ष शीतकालीन सेमेस्टर (चतुर्थ सेमेस्टर)
(F.F.M.P.A) सत्र शिक्षण अवधि : 15 सप्ताह = 90 दिन
कोर सब्जेक्ट मुख्य विषय 2
नाट्य एवं रंगमंच प्रायोगिक कोर
नाट्य एवं रंगमंच – प्रायोगिक प्रश्न पत्र

प्रायोगिक–3
मंच प्रदर्शन C2-PR-2104
पाठ्यक्रम विवरण

विश्व रंगमंच पर आधारित सीन वर्क/डायरेक्शन/प्ले प्रोडक्शन/नाट्य प्रस्तुति/स्टूडेंड प्रोडक्शन

अथवा

परीक्षार्थी द्वारा कक्षा शिक्षक अथवा बाह्य निर्देशक के मार्गदर्शन में तैयार नाट्य प्रस्तुति का प्रदर्शन अथवा विद्यार्थी द्वारा तैयार स्टूडेंट प्रोडक्शन एकल नाट्य प्रस्तुति का प्रदर्शन।

इंटरनल/आंतरिक पाठ्यक्रम विवरण

1. उपस्थिति
2. चरित्र व्यवहार
3. व्यक्तित्व
4. सहभागिता
5. पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट प्रश्नोत्तर

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.क.वि.वि.ग्वा. (म.प्र.)

PR – 4

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

MPA (Drama & Theatre) स्नातकोत्तर (नियमित)
द्वितीय वर्ष शीतकालीन सेमेस्टर (चतुर्थ सेमेस्टर)
(F.F.M.P.A) सत्र शिक्षण अवधि : 15 सप्ताह = 90 दिन
कोर सब्जेक्ट मुख्य विषय 2
नाट्य एवं रंगमंच प्रायोगिक कोर
नाट्य एवं रंगमंच – प्रायोगिक प्रश्न पत्र

प्रायोगिक–3

थियेटर मेनेजमेंट लैक्चर डेमॉन्सट्रेशन C2-PR-2105

पाठ्यक्रम विवरण

यह पाठ्यक्रम रंगमंच प्रबंधन के बुनियादी सिद्धांतों का परिचय देता है जिसमें प्रशासन, प्रस्तुति निर्माण, रूपरेखा, बजट, प्रचार–प्रसार, आय व्यय, दर्शक–संलग्नता और संगठनात्मक नेतृत्व शामिल हैं। केस स्टडी और प्रायोगिक अभ्यासों के माध्यम से छात्र सीखेंगे कि सांस्कृतिक और आर्थिक दोनों रूपों में रंगमंच कैसे संचालित और संरक्षित किया जाता है।

पाठ्यक्रम में निम्नलिखित घटक शामिल होंगे:

- रंगमंच प्रबंधन का परिचय एवं सिद्धांत।
- प्रस्तुति/मंच प्रबंधनः का परिचालन एवं नियंत्रण।
- आय व्यय का एवं सहयोगी वित्तीय योजना के अनुसार प्रस्तुति बजट निर्माण।
- प्रस्तुति संबंधित कार्यों की परिकल्पना। आम व्यक्तियों को प्रस्तुति से जोडना जिससे आय का जरिया बन सके।
- आय के स्रोत : शासकीय व अशासकीय अनुदान, व्यक्तिगत दान, सी आर एस फंडिंग एवं उपरोक्त फंडिंग हेतु प्रस्ताव लेखन।
- मानव संसाधन प्रबंधन।
- रंगमंच मार्केटिंगः ब्रांडिंग, मीडिया और डिजिटल। दर्शक संख्या वृद्धि हेतु योजना।
- कानूनी पहलू और रंगमंच नीतियाँः कॉपीराइट, कॉन्ट्रैक्ट्स, और सुरक्षा नियमों का अवलोकन; अनुमतियाँ और लाइसेंस
- प्रस्तुति प्रदर्शन एवं प्रदर्शन के उपरांत आलोचनात्मक/समालोचनात्मक पहलुओं पर बातचीत सत्र।
- रंगमंचीय प्रबंधन में भविष्य के अवसर
- रंगमंच का व्यावसायिक प्रारूप/कार्य योजना

इंटरनल/आंतरिक पाठ्यक्रम विवरण

1. उपस्थिति
2. चरित्र व्यवहार
3. व्यक्तित्व
4. सहभागिता
5. पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट प्रश्नोत्तर

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.सं.क.वि.वि. ग्वा. (म.प्र.)

सन्दर्भ पुस्तकें :– (Reference Books)

पुस्तक का नाम	लेखक
1. रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र	देवेन्द्र राज अंकुर
2. सिनेमा के अध्याय	
3. Wide Angle History of Indian Cinema	Manoj Shrivastava
4. Oxford History of world Cinem	Geoffrey Nowell Smith
5. Performance Therapy	Richard Schechner
6. Isms….. Understanding Arts	Stefon Little
7. Poetics	Aristotle
8. नाट्य समीक्षा	दशरथ ओझा
9. एकादश नाट्य संग्रह	डॉ. हिमांशु द्विवेदी
10. भारतीय लोकनाट्य स्वांग	डॉ. हिमांशु द्विवेदी
11. परंपराशील नाट्य	डॉ. जगदीश चंद माथुर
12. भारतीय लोक नाट्य परंपरा	कपिला वात्स्यायन
13. लोकधर्मी नाट्य परंपरा	डॉ. श्याम परमार
14. Folk Theatre of North India	Karan Singh
15. हिन्दी नाटक के सिद्धांत व नाटककार	प्रो. रामचरण महेन्द्र
16. भारतीय तथा पाश्चात्य कला एवं साहित्य	डॉ. महीपाल चौथरी
17. The Theatre in the Middle Ages	William tydemen
18. रंगमंच, नाटक, अभिनय एवं मंच शिल्प के 3000 वर्ष	शेल्डन चेनी
19. भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच	पं. सीताराम चतुर्वेदी
20. An Actors Prepare	Konstantin Stanislavski
21. Building a Characters	Konstantin Stanislavski
22. Creating a Role	Konstantin Stanislavski
23. Empty Space	Peter Brook
24. रंग प्रसंग	राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय
25. कहानी का रंगमंच	देवेन्द्र राज अंकुर
26. नटरंग	डॉ. आनंद यादव
27. भारतीय रंगमंच का उद्भव एवं विकाश	दशरथ कुमार ओझा

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
रा.मा.तो.वि.वि.ग्वा. (म.प्र.)

...ीय रंगमंच का इतिहास	डॉ. अज्ञात
...ा दर्शन	नेमिचंद जैन
...रंगमंच और नाटक की भूमिका	लक्ष्मी नारायण लाल
31. नाट्शास्त्र भाग 1,2,3,4.........	बाबू लाल शास्त्री
32. संक्षिप्त नाट्यशास्त्र	राधा वल्लभ त्रिपाठी
33. एकादश नाट्य संग्रह	डॉ. हिमांशु द्विवेदी
34. दशरूपक	धनंजय
35. नाट्यदर्पण	आचार्य रामचंद्र एवं गुणचंद्र
36. भरत और उनका नाट्यशास्त्र	ब्रज वल्लभ मिश्र
37. भरत नाट्यशास्त्र में नाट्यशालाओं के रूप	डॉ. रायगोविन्द चंद
38. अभिनय दर्पण	नंदिकेश्वर
39. नाट्यशास्त्र विश्वकोष	राधा वल्लभ त्रिपाठी

विभागाध्यक्ष
नाट्य एवं रंगमंच संकाय
इ.का.सं.वि.वि.खैरा. (म.प्र.)